कोटद्वार, बुधवार
4 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 277 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सूचना

सभी सुधि पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं एवं अभिकर्ताओं को दैनिक जयन्त की ओर से होली की हार्दिक शुभकमानायें
होली के इस अवसर पर प्रेस एवं कार्यालय में अवकाश रहेगा।
दैनिक जयन्त का अगला अंक 6 मार्च 2026 को प्रकाशित होगा।
-सम्पादक

एक नजर

प्लाट बेचने की डील कर महिला से ठगे 6.50 लाख

देहरादून : प्लाट बेचने की डील कर एक महिला से साढ़े छह लाख रुपये की ठगी कर ली गई। दो आरोपियों ने एक फर्जी इकरारनामा तैयार कर महिला को चूना लगाया। नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ नेहरू कॉलोनी संजीत कुमार ने बताया कि पुष्पांजलि, बार्लोगंज, मसूरी निवासी रेशमा ने तहरीर दी। बताया कि वह देहरादून में जमीन खरीदना चाहती थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात विजय पार्क निवासी केनी जैन और माजरा निवासी प्रिंस बोकाडिया से हुई। दोनों ने खुद को धर्मपुर स्थित एक प्लॉट का रजिस्टर्ड विक्रेता बताया। आरोपियों ने फरवरी 2024 में एक फर्जी अनुबंध पत्र तैयार कर पीड़िता से चेक से कुल 6,50,000 रुपये ले लिए। रकम देने पर महिला को पता चला कि यह जमीन पहले ही किसी और को बेची जा चुकी है। दोनों आरोपियों का उस प्लाट पर कोई स्वामित्व नहीं है। पीड़िता के अनुसार उसने यह रकम कर्ज लेकर दी थी। जिसका वह आज भी ब्याज चुका रही हैं। जब पीड़िता ने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि वे अब अपनी राजनीतिक और रसूखदार लोगों से जान-पहचान का हवाला देते हुए महिला को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। एआसो संजीत कुमार ने बताया कि आरोपी केनी जैन और प्रिंस के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है। (एजेंसी)

घर के मंदिर से सोने के जेवरात और एक लाख नकदी चोरी, नौकरानी पर शक

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के श्यामपुर स्थित प्रगति एन्क्लेव में एक घर के मंदिर से सोने के जेवरात और एक लाख रुपये की नकदी चोरी हो गई। पीड़ित परिवार ने घर में काम करने वाली नौकरानी पर चोरी का शक जताया है। सोमवार को प्रेमनगर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसओ प्रेमनगर कुंदन राम ने बताया कि श्यामपुर ट्यूबवेल रोड की बुधई वेलफेयर सोसाइटी निवासी परमेंद्र सिंह थापा ने तहरीर दी। उन्होंने दीपावली पूजन के लिए गहने और एक लाख रुपये नकद निकालकर घर के मंदिर में एक छोटे बॉक्स में रखे थे। इसकी जानकारी सिर्फ परिवार के सदस्यों और उनकी नौकरानी अनीता को थी। पांच नवंबर को उनकी पत्नी कुसुम थापा पूर्णिमा स्नान के लिए हरिद्वार गई थीं। परमेंद्र अपनी दोनों बेटियों के साथ जरूरी काम से दिल्ली गए हुए थे। इस दौरान घर पर सुबह के समय सिर्फ नौकरानी ही आती थी। 22 नवंबर की रात जब बेटियां वापस लौटीं, तब पत्नी ने गहने और नकदी गायब होने की जानकारी दी। परिवार ने अपने स्तर पर घर में काफी खोजबीन की और कई दिनों तक नौकरानी से भी पूछताछ की। जब जेवर नहीं मिले तो उन्होंने पुलिस की शरण ली।

लापरवाही पर दरोगा को किया निलंबित

हल्द्वानी। मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने में प्रभावी कार्रवाई नहीं करने पर एडीजी के निर्देश के बाद एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने दरोगा सादिक हुसैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसएसपी के मुताबिक दो तीन दिन पूर्व एडीजी की ओर से एनडीपीएस पर कार्रवाई से संबंधित वीडियो कांफ्रेंसिंग से बैठक की गई थी। इसीमें उन्होंने नैनीताल लाइन में तैनात दरोगा सादिक हुसैन की एनडीपीएस पर कार्रवाई को कमजोर बताया। जिसके बाद उन्होंने एसएसपी को संबंधित दरोगा को लापरवाही बरतने के आरोप में सस्पेंड करने के निर्देश दिए।

पश्चिम एशिया संकटः पीएम मोदी ने ओमान और कतर से की बात

48 घंटों में आठ देशों के नेताओं से शांति बहाली पर चर्चा

नई दिल्ली।अमेरिका और इस्राइल की ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया क्षेत्र के हालात तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार की दोपहर खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख नेताओं से फोन पर बातचीत की। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल–खालिद अल–अहम अल–मुबारक अल–सबाह से भी बात की। प्रधानमंत्री ने दोनों नेताओं से अलग–अलग फोन पर बातचीत की और उनके देशों में हो रहे हमलों पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने उन देशों में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हामेद अल–थानी से भी फोन पर बात की। उन्होंने कतर पर हमलों की आलोचना की और देश में भारतीय समुदायों के समर्थन और देखभाल के लिए अमीर का धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बीते 48 घंटों में जिन

देशों के नेताओं से फोन पर बातचीत की है, उनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), इस्राइल, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कुवैत और कतर शामिल हैं। इससे पहले, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय से भी फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने क्षेत्र में फैले तनाव के मुद्दे पर चर्चा की। बातची के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, मैंने जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से बातचीत की। क्षेत्र में तेजी से बदले हालात पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। हमने शांति, सुरक्षा और जॉर्डन की जनता के कल्याण के प्रति अपने समर्थन की फिर से पुष्टि की। इस कठिन समय में जॉर्डन में भारतीय समुदाय का ध्यान रखने के लिए मैंने उनका आभार भी जताया।

बहरीन के किंग और सऊदी क्राउन प्रिंस से चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को बहरीन के किंग और सऊदी के क्राउन प्रिंस को भी फोन किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, टेलीफोन पर उन्होंने बहरीन के किंग और सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ ईरान और इस्राइल के बीच टकराव समेत कई मुद्दों पर बातचीत की।

होली से पहले प्रेम–प्रसंग में युवती ने लगाई फांसी

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह मामला प्रेम–प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, बीती रात रोशनाबाद के बिंदर पाल ने बताया कि शनि मंदिर के पास एक युवती ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर जांच के दौरान पता चला कि युवती का परिवार मूल रूप से बिजनौर के नागल सोती का है। वह रोशनाबाद में किराये पर रह रही थी। युवती सिडकुल क्षेत्र की एक कंपनी में नौकरी करती थी। पुलिस के अनुसार, परिवार की ओर से उसकी शादी कहीं और तय की जा रही थी, जबकि युवती किसी युवक से प्रेम करती थी।

बताया जा रहा कि वह शाहजहांपुर के युवक के संपर्क में थी। कुछ दिन पहले उसने तबीयत खराब होने की बात कहकर घर जाने से इनकार कर दिया था। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम–प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। सिडकुल थाना प्रभारी निरीक्षक नितेश शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

ईरान-इजरायल जंगः महंगाई तोड़ेगी कमर

दवा से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम तक, क्या–क्या होगा महंगा?

नई दिल्ली। ईरान युद्ध लंबा चला तो महंगाई दर प्रभावित हो सकती है। भारत खाद्य तेल से लेकर दवा, इलेक्ट्रानिक्स आइटम जैसी कई जरूरी चीजों के निर्माण से जुड़े कच्चे माल का आयात करता है और अब इन सब की लागत बढ़ सकती है। कच्चे तेल का सह उत्पाद प्लास्टिक दाने की कीमत में पिछले दो दिनों में ही 12 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है।प्लास्टिक का इस्तेमाल रोजाना इस्तेमाल होने वाले कई चीजों में होता है। खाद्य तेल के दाम में भी मजबूती का रुख दिख रहा है। दूसरी तरफ, ईरान युद्ध के विराम को लेकर कोई संकेत नहीं मिलने से निर्यातकों की चिंता बढ़ती जा रही है। कंटेनर कंपनियों ने कंटेनर के किराए में 150 प्रतिशत तक का इजाफा कर दिया है। जिन 20 टन के कंटेनर का किराया 1100 डॉलर चल रहा था, अब उनका किराया 3500–3700 डालर तक पहुंच गया है।

खाद्य तेल, दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स के कच्चे माल होंगे महंगे

कंटेनर कंपनियां वार सरचार्ज के रूप में इतना अधिक किराया वसूल रही है।

जिन लोगों के माल बीच समंदर में हैं, कंटेनर कंपनियां माल को वापस मंगाने का दबाव उन पर डाल रही है। बासमती चावल निर्यात संघ के उपाध्यक्ष पंकज गोयल ने बताया कि तकरीबन एक से डेढ़ लाख टन चावल रास्ते में हैं। उन्हें वापस मंगाने पर हमारी लागत और बढ़ जाएगी।

हमने इस सिलसिले में विदेश व्यापार महानिदेशक से मुलाकात भी की है। खाड़ी देश व सेंट्रल एशिया के देशों में निर्यात होने वाले अन्य आइटम भी यही हाल है। कनफेडरेशन आफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि यूरोप, अमेरिका व दक्षिण अमेरिका के इलाके में अब केप आफ गुड होप के रास्ते से माल भेजा जाएगा जिससे हमारी लागत 30–40 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। क्योंकि पुराने रूट की तुलना में इस रूट से माल भेजने पर 15 दिन अधिक समय लग सकता है।

युद्ध के लंबे चलने के आसार

व्यापारियों ने बताया कि भारत दवा निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे माल का आयात करते और युद्ध लंबा चला तो इनके आयात भी प्रभावित होंगे। मोबाइल फोन से लेकर टीवी, फ्रिज जैसे कई आइटम आयात लागत बढ़ने पर महंगे हो जाएंगे क्योंकि इनके निर्माण से जुड़े कच्चे माल का भारी मात्रा में आयात किया जाता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के पूर्व चेयरमैन अश्विनी कुमार ने बताया कि युद्ध लंबा चला तो निर्यातकों के भुगतान विभिन्न देशों में फंस जाएंगे। इस युद्ध से सिर्फ भारतीय आयात–निर्यात ही नहीं, वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित होने जा रही है। जब माल पहुंचेगा ही नहीं और उसकी बिक्री नहीं होगी तो पैसा फंसना लाजिमी है। कई व्यापार मेले रद हो रहे हैं या वहां व्यापारी नहीं पहुंच पा रहे हैं। अभी जर्मनी में हार्डवेयर का बड़ा शो हो रहा है, लेकिन भारत के व्यापारियों ने वहां जाना टाल दिया। कुछ व्यापारी गए हैं जो रास्ते में फंसे हैं।

अमित शाह के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का सीएम धामी ने लिया जायजा

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हरिद्वार स्थित बैरागी कैंप में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री का उत्तराखण्ड आगमन राज्य के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा पुलिस एवं प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य

करें। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आने वाले आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही, चिकित्सा सुविधा, आपातकालीन सेवाओं एवं अग्निशमन व्यवस्था को पूर्ण रूप से तत्पर रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अनुशासन, पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन सर्वोपरि है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने यातायात व्यवस्था को सुदृढ करने हेतु पुलिस को पुरा प्लान तैयार करने के निर्देश दिये उन्होने कहा कि शहर में किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति न हो यातायात सुचारू रहें ताकि आमजनमानस को असुविधा न होने पाये। निरीक्षण के दौरान आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डे एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कि जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने यातायात व्यवस्था एवं वाहनों के पार्किंग व्यवस्था के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष किरन चौधरी, मेयर हरिद्वार किरन जैसल, विधायक मदन कौशिक, आदेश चौहान, प्रदीप बत्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, एमडी शिडकुल सौरव गैहरवार, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

खगमरा में गुलदार पिंजरे में कैद, लोगों ने ली राहत की सांस

अल्मोड़ा। जिले में इन दिनों नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक गुलदार की मौजूदगी लोगों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। इसी बीच नगर के खगमरा क्षेत्र में पिछले कई दिनों से दहशत फैला रहा गुलदार मंगलवार तड़के वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन और खगमरा सहित आसपास के इलाकों में गुलदार की लगातार चहलकदमी देखी जा रही थी। कई बार वह रिहायशी क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुआ, जिससे लोगों में भय का माहौल बना रहा। बताया जा रहा है कि गुलदार ने घरों के आंगन से कई कुत्तों को भी अपना शिकार बनाया था, जिसके बाद क्षेत्रवासियों ने वन विभाग से कार्रवाई की मांग की थी। लोगों की शिकायत पर वन विभाग ने खगमरा क्षेत्र में पिंजरा लगाया था। मंगलवार सुबह गुलदार के उसमें फंसने की सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर एनटीडी स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया।

चंद्रग्रहण के चलते मंदिरों के कपाट रहे बंद

ऋषिकेश। फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि पर साल का पहला चंद्रग्रहण मंगलवार को लगा। चंद्रग्रहण के सूतक काल के चलते दिनभर तीर्थनगरी के मंदिरों के कपाट शाम साढ़े छह बजे तक बंद रहे। रात्रि में मंदिरों में पूजा–अर्चना और प्रमुख घाटों पर गंगा आरती की गई। चंद्रग्रहण दोपहर 3:27 बजे से शाम 6:57 बजे तक रहा। चंद्रग्रहण का सूतक कई घंटे पहले ही शुरू हो गया था, जिसकी वजह से ऋषिकेश में चंद्रेश्वर मंदिर, वीरभद्र महादेव मंदिर, सोमेश्वर मंदिर, गोपाल मंदिर, दून मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर, त्रिवेणी घाट स्थित रघुनाथ मंदिर समेत तमाम मंदिरों के कपाट सुबह से लगभग सात बजे शाम तक बंद रहे। ग्रहण समापन के बाद मंदिरों को धोया गया और फिर वहां पूजा–अर्चना की गई। तुलसी मानस मंदिर के महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज ने बताया कि ग्रहण काल को शास्त्रों में 'सूतक' का समय कहा गया है। सूतक वह अवधि है जब पूजा–अर्चना, भोग लगाना, मूर्ति स्पर्श और अन्य बाह्य धार्मिक कर्म वर्जित हो

जाते हैं। चंद्र ग्रहण में सूतक नौ घंटे पहले और सूर्य ग्रहण में बारह घंटे पहले शुरू हो जाता है। इस दौरान मंदिरों में नियमित पूजा स्थगित कर दी जाती है और कपाट बंद कर दिए जाते हैं। डेढ़ घंटे देर से हुई गंगा आरती त्रिवेणी घाट पर प्रत्येक दिन शाम छह से गंगा आरती शुरू हो जाती है। लेकिन मंगलवार को चंद्रग्रहण के चलते गंगा आरती के समय में बदलाव किया गया। सात बजे चंद्रग्रहण समापन हुआ और इसके बाद करीब साढ़े सात बजे बाद यहां गंगा आरती की गई।

असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए 42 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है। चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है। कांग्रेस ने चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर राजनीतिक बढ़त लेने की कोशिश की है।

कांग्रेस ने राज्य इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई को जोरहाट सीट से मैदान में उतारा है। वहीं, असम विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता देवव्रत सैकिया को नजीरा सीट से टिकट दिया गया है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रिपुन बोरा को बरछल्ला सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने संगठन और अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता देने की रणनीति अपनाई है।

किस सीट पर किसे मिला मौका

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी सूची के मुताबिक अब्दुस सोबहान अली सरकार को गौरीपुर, मार्कलाइन मारक को गोलपाड़ा पश्चिम (एसटी आरक्षित), गिरीश बरुआ को बोंगाईगांव और महानंद सरकार को बरपेटा (एससी आरक्षित) से टिकट मिला है।

आरक्षित सीटों पर खास फोकस

रमेन सिंह राभा को बोको–छायगांव (एसटी) सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। नंदिता दास को हाजो–सुआलकुची (एससी) और सत्यव्रत कलिता को कमलपुर से मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने आरक्षित सीटों पर संतुलन साधने की कोशिश की है।

राजधानी क्षेत्र पर नजर

मीरा बोरठाकुर गोस्वामी को दिसपुर सीट से टिकट दिया गया है। दिगंत बर्मन बरखेत्री और अशोक कुमार शर्मा नलबाड़ी से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस 2016 से असम में सत्ता से बाहर है और इस बार मजबूत वापसी का दावा कर रही है। पार्टी का कहना है कि वह राज्य में बदलाव के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी।

सहारनपुर जा रहे पिकअप वाहन में अचानक लगी आग

देहरादून। विकासनगर मंडी में उपज की आपूर्ति कर वापस सहारनपुर लौट रहे पिकअप वाहन में दर्रारीट के पास अचानक आग लग गई। वाहन में सवार चालक ने लपटें देख बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। चालक की सूचना पर पास ही स्थिति तिमली गांव से घटनास्थल पर पहुंचे उसके रिश्तेदारों ने बाल्टी में पानी भरकर आग बुझाई। वाहन का केबिन और इंजन जल गया है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। कोतवाली प्रभारी शंकर सिंह बिष्ट ने बताया उत्तरप्रदेश के सहारनपुर के मिर्जापुर थाना क्षेत्र के मदनपुरा निवासी गुलफाम पिकअप वाहन से मंडी में उपज की आपूर्ति करने आया था। वह वापस मिर्जापुर लौट रहा था। दर्रारीट से 200 मीटर पहले उत्तराखंड की सीमा में ही वाहन में आग लग गई। चालक ने जैसे ही वाहन में आग लगते देखी वह उससे बाहर निकल गया।

मार्च की शुरुआत में ही तेवर दिखाने लगी गर्मी

देहरादून। उत्तराखंड में गर्मी अपने तेवर दिखाने लगी है। आलम यह है कि मार्च की शुरुआत में ही तापमान 30 डिग्री के पार पहुंचने लगा है। बीते दस वर्षों के आंकड़ों पर नजर डाले तो कभी भी मार्च के पहले सप्ताह में 30 डिग्री तापमान नहीं पहुंचा। ऐसे में आने वाले दिनों में पारा और चढ़ने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार चार मार्च को प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहेगा। आने वाले दिनों की बात करें तो सात मार्च तक प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि आठ और नौ मार्च को पर्वतीय इलाकों में मौसम के बदलने की संभावना है। लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका तापमान पर कोई खास असर देखने को नहीं मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डाले मंगलवार को दून का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री बढ़ोतरी के साथ 30.5 डिग्री रहा। जबकि रात का

न्यूनतम तापमान भी सामान्य से एक डिग्री इजाफे के साथ 12.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। ऐसा ही हाल प्रदेश के अन्य हिस्सों का भी रहा। पर्वतीय इलाकों का पारा भी सामान्य से ऊपर रहा। मुक्तेश्वर का सामान्य तापमान तो सात डिग्री बढ़ोतरी के साथ 23.4 डिग्री तक पहुंच गया। मार्च की शुरुआत में तापमान के इन आंकड़ों से अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में गर्मी और अधिक तेवर दिखा सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसकी मुख्य वजह जलवायु परिवर्तन और मौसम का बदला पैटर्न को मानते हैं।

पोस्ट मानसून की बारिश ने भी किया मायूस

इस साल भले मानसून की बारिश ने नया रिकॉर्ड बनाया और प्रदेश के कई हिस्सों में आपदा भी आई। लेकिन पोस्ट मानसून की बारिश में आई गिरावट तापमान में बढ़ोतरी का एक मुख्य कारण है। मूल रूप से उत्तराखंड निवासी मिजोरम विवि के प्रोफेसर विश्वंभर प्रसाद सती ने बताया कि उत्तराखंड में इस साल पोस्ट मानसून की बारिश न के बराबर हुई है। जिसकी वजह से फरवरी के अंत से ही सामान्य तापमान में इतना अंतर देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों में भी यह तापमान और बढ़ेगा। जिसके चलते मैदानी इलाकों के साथ पर्वतीय इलाकों में भी गर्मी परेशान करेगी।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 80 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली।पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच परिचालन संबंधी व्यवधानों के कारण मंगलवार सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर कुल 80 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इनमें 36 प्रस्थान उड़ानें और 44 आगमन उड़ानें शामिल हैं। एमिरेट्स समेत कुछ एयरलाइन ने पश्चिम एशिया के लिए आंशिक रूप से सेवाएं फिर शुरू कर दी हैं।

हर दिन होता है 1300 उड़ानों का संचालन

उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार दुबई जा रही एमिरेट्स एयरलाइन की उड़ान संख्या ईके–513 वायुक्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों के

कारण राष्ट्रीय राजधानी लौट आई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया है कि पश्चिम एशिया की मौजूदा राजनीतिक स्थिति के कारण पश्चिम की ओर जाने वाली कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी या समय–सारिणी में बदलाव किया जा रहा है। दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रतिदिन 1,300 से अधिक उड़ानों का संचालन किया जाता है।

दुबई से दिल्ली आई फ्लाइट

पिछले तीन दिन में पश्चिम एशिया संकट के चलते विभिन्न भारतीय एयरलाइन ने 1,117 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की हैं। इसी बीच, एयर इंडिया ने मंगलवार को दुबई से दिल्ली के लिए एक उड़ान संचालित की जिसमें 149 यात्री सवार थे।

एयरलाइन ने 'एक्सट पर पोस्ट किया है कि हम उड़ान एआई 916डी से दुबई से आए अपने मेहमानों और चालक दल का स्वागत करते हुए खुश हैं। पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति के बीच, यह किसी भारतीय एयरलाइन की पहली उड़ान है जो आज 149 यात्रियों और चालक दल के आठ सदस्यों के साथ नई दिल्ली पहुंची है। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार तड़के दुबई से एमिरेट्स की उड़ान ईके512 दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी।

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में दिखा चंद्र ग्रहण का खूबसूरत नजारा

साल का पहला चंद्र ग्रहण अब खत्म हो गया है। दुनिया के कई हिस्सों में चंद्र ग्रहण दिखाई दिया। भारत में सबसे पहले पूर्वी हिस्सों में चंद्र ग्रहण दिखाई दिया। ग्रहण के 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हुआ। जिसमें सभी मांगलिक कार्य वर्जित रहे। चंद्रग्रहण की शुरूआत मंगलवार दोपहर 3:20 बजे से हुई और शाम को 6:46 बजे समाप्त हो गया।

लोगों में उत्सुकता बढ़ी

इस बीच दिल्ली–एनसीआर में चंद्र ग्रहण को लेकर लोगों में उत्सुकता दिखाई दी। खगोल प्रेमियों से लेकर आम श्रद्धालुओं तक सभी की नजरें आसमान पर टिकी रहीं। इस बार चंद्र ग्रहण का समय शहरों के अनुसार कुछ मिनटों के अंतर से अलग–अलग रहा, जिससे लोगों में इसे लेकर खास दिलचस्पी रही।

नोएडा–दिल्ली में कब दिखा ग्रहण

दिल्ली में चंद्र ग्रहण शाम 6 बजकर 22 मिनट पर दिखाई दिया। सूर्यास्त के आस–पास लगे इस ग्रहण को देखने के लिए लोग खुले स्थानों और छतों का रुख करते हुए दिखाई दिए।

मदरसा बोर्ड खत्म होने के बाद अब पाठ्यक्रम तैयार कर रहा राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण

देहरादून। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के गठन के बाद पाठ्यक्रम तैयार करना शुरू कर दिया है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के विशेष सचिव डॉ.पराग मधुकर धकाते के मुताबिक प्राधिकरण के अध्यक्ष और सदस्य होली के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मिलेंगे। विभाग के विशेष सचिव के मुताबिक राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष और सदस्यों ने पदभार ग्रहण कर धार्मिक शिक्षा को लेकर पाठ्यक्रम तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। प्राधिकरण तय करेगा कि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चे किस धार्मिक पुस्तक को पढ़ सकेंगे। वहीं, सभी मदरसों को उत्तराखंड बोर्ड से संबद्धता लेनी होगी। तय मानकों को पूरा करने वाले

मदरसों को ही संबद्धता दी जाएगी।

मदरसों में मिली थीं शिकायतें

प्रदेश में मदरसों को लेकर कई शिकायतें मिल चुकी हैं। राज्य बाल कल्याण परिषद के साथ ही पूर्व में राष्ट्रीय बाल कल्याण परिषद इन मदरसों का औचक निरीक्षण कर चुका है। जिसमें खामियां मिलने पर कुछ मदरसों को सील किया गया था।

सम्पादकीय

मनुष्य की बुद्धि को चुनौती

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट–2026 के उद्घाटन भाषण में वैसे तो कई बातें कहीं लेकिन पूरे भाषण का सार यह है कि इसे भय के तौर पर देखा जाए या भाग्य के तौर पर। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई को भय के तौर पर देख रहे हैं लेकिन भारत इसे भाग्य के तौर पर देख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एआई ने पूरी दुनिया में अगर नई संभावनाओं के रास्ते खोले हैं तो भय भी पैदा किया है। भय इसलिए क्योंकि यह पहली संज्ञानात्मक क्रांति है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि कृत्रिम बुद्धि मनुष्य की बुद्धि को चुनौती दे रही है। मनुष्य जो काम नहीं कर पाता था या जो काम करने में उसे घंटों या महीनों का समय लगता था वह काम अब एआई के जरिए चुटकियों में हो रहा है। इसलिए इसे सिर्फ नौकरी के लिए खतरे के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। यह सभ्यता, संस्कृति और समस्य मानवीय मूल्यों के लिए चुनौती की तरह है।

जहां तक इस संज्ञानात्मक क्रांति में भारत की स्थिति की बात है तो उसकी एक झलक इसी एआई इम्पैक्ट समिट में दिखाई दी। पहले दिन जिस तरह की अव्यवस्था हुई उसे लेकर सोशल मीडिया में खूब तंज किए गए। कहा गया कि एआई समिट में ही एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद एक यूनिवर्सिटी की ओर से चीन के रोबोडॉग और कोरिया के ड्रोन को अपना बना कर पेश करने की घटना हुई, जिसने भारत की क्षमताओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। यह सही है कि उसे प्रतिनिधि घटना के तौर पर नहीं पेश किया जा सकता है लेकिन इस घटना ने एआई के सेक्टर में भारत की तैयारियों और उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने के लिए बाध्य किया है।

इस समिट में दुनिया भर के देशों के नेता या स्टार्टअप के फाउंडर्स या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की महाबली कंपनियों के प्रमुख भारत के बारे में क्या कहते हैं इससे कोई धारणा बनाने की जरुरत नहीं है। उनके लिए भारत एक बाजार है इसलिए वे बड़े बड़े निवेश के वादे कर रहे हैं या भारत की तारीफ कर रहे हैं। उनकी तारीफों के आधार पर भारत को अपना आकलन नहीं करना चाहिए। भारत को अपनी तैयारियों और उपलब्धियों का आकलन वस्तुनिष्ठ तरीके से करना चाहिए। भारत इसलिए एआई क्रांति में अग्रणी नहीं हो सकता है कि यहां ओपनएआई के प्लेटफॉर्म चैटजीपीटी के साढ़े 14 करोड़ यूजर्स हैं। भारत में तो फेसबुक के 45 करोड़ यूजर हैं लेकिन उससे भारत सोशल मीडिया क्रांति में अग्रणी नहीं हो गया है।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे। सर्वम ने इसी समिट में लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया है। लेकिन उसकी कामयाबी तभी मानी जाएगी, जब भारत में करोड़ों लोग इसे इस्तेमाल करना शुरू करेंगे। जैसे चीन के डीपसीक ने चीन को लोगों की जरुरतें पूरी की कम से कम वैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म की भारत में जरुरत है। ध्यान रहे भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के तौर पर 'कूइ और ऑफिस सूट के तौर पर 'जोहोइ की चर्चा खूब हुई। लेकिन भारत के लोग इस्तेमाल अमेरिकी सोशल मीडिया और ऑफिस सूट ही करते हैं। अगर ऐसी स्थिति एआई में भी रही तो भारत इस क्रांति की बस भी मिस करेगा।

बांग्लादेश हो या श्रीलंका या नेपाल-सवाल वही

सत्येन्द्र रंजन

बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। क्या बिना ऐसी संगठित पार्टी की मौजूदगी के– जिसके पास स्पष्ट विचारधारा और सुपरिभाषित संगठन हो– कोई ऐसा परिवर्तन हो सकता है, जिससे मूलभूत ढांचा बदले और आम जन के जीवन स्तर में सुधार का मार्ग प्रशस्त हो?

बांग्लादेश में अगस्त 2024 जन व्रिदोह हुआ। अगुआई छात्रों ने की, जिनके पीछे आवाम का बहुत बड़ा हिस्सा लामबंद हुआ। उन सबकी शिकायत थी कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद तानाशाह बन गई हैं, उन्होंने लगातार तीन आम चुनाव चुरा लिए, उनके शासनकाल में सिर्फ उनसे जुड़े लोगों का भला हो रहा है, सवाल पूछने वालों को सताया जाता है, इत्यादि। इन सबसे लोगों में असंतोष भरता गया और जब उसका विस्फोट हुआ, तो शेख हसीना को देश छोड़ कर भागना पड़ा। उनकी पार्टी– अवामी लीग के जो लोग देश में रह गए, उन्हें लोगों का गुस्सा झेलना पड़ा। पांच अगस्त 2024 को शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बनी अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को प्रतिबंधित अवस्था में डाल दिया। 12 मई 2026 को हुए आम चुनाव में ये पार्टी भाग नहीं ले सकी।

उपरोक्त घटनाओं से शेख हसीना, उनके परिवार और उनकी पार्टी से नाराज लोगों को तसल्ली मिली होगी। लेकिन अब जबकि नए चुनाव के नतीजे सामने हैं, तो विवेकशील लोग यह सोचने को मजबूर होंगे कि इतनी बड़ी उथल–पुथल से आखिर हासिल क्या हुआ? दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में लौटी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) में आखिर नयापन क्या है? पार्टी की स्थापना सैन्य तख्ता पलट के जरिए सत्ता में आए जनरल जियाउल रहमान ने की थी। उनकी हत्या के बाद उनकी पत्नी बेगम खालिदा जिया ने पार्टी की कमान संभाली और दो बार प्रधानमंत्री रहीं। अब उन दोनों के बेटे तारीक रहमान उस पद पर पहुंचे हैं।

तो एक राजनीतिक परिवार को भगाने का परिणाम दूसरे राजनीतिक परिवार की सत्ता में वापसी के रूप में सामने आया है। अतीत में दोनों की पार्टियां महज उन परिवारों की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा को साधने का जरिया बनी रही हैं, जैसाकि दक्षिण एशिया के दूसरे देशों में भी होता रहा है। ये पार्टियां आर्थिक–सामाजिक निहित स्वार्थों की नुमाइंदगी करती हैं और असल में वे ही उनकी ताकत का आधार हैं। वे ताकतें अपनी राजनीतिक वफादारी वक्त के साथ बदलती रहती हैं।

शेख हसीना अगर सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया को बाधित नहीं करतीं, तो संभव है कि 2014, 2019 या 2024 के किसी आम चुनाव में सत्ता बदल के आम चलन के तहत ही बीएनपी की सरकार बन गई होती। जन विद्रोह हुआ, तो इसलिए कि शेख हसीना ने अनुचित तरीके अपना कर चुनाव के जरे सत्ता हस्तांतरण संभव नहीं होने दिया। तो क्या यह समझा जाए कि जिस जन विद्रोह में लगभग 1400 लोगों की जान गई, उसका मकसद सिर्फ बीएनपी को सत्ता में वापस लाना था? उसी बीएनपी को, जिसके पास देश को नई दिशा देने या लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की कोई ठोस योजना नहीं रही है। असल में अपने अनुदार नजरिए और महजबी कट्टरपंथ से अपने रिश्तों के कारण अतीत में वह अवामी लीग की तुलना में कामकाजी जनता के हितों के अधिक खिलाफ नजर आई है।

अब हकीकत यह है कि बांग्लादेश की सियासत कंजरवेटिव बीएनपी और धार्मिक कट्टरपंथी जमात–ए–इस्लामी के बीच बंट गई है। बहस के मुद्दे बांग्लादेश के पुराने संविधान को कायम रखने या शरिया कानून से प्रभावित अधिक इस्लामी ढंग से शासन चलाने के बीच सिमट गए हैं। क्या ऐसे ही बदलाव की आकांक्षा लिए बांग्लादेश के छात्र शेख हसीना के खिलाफ लामबंद हुए थे?

ये बड़े, लेकिन बेहद आम किस्म के सवाल हैं। ये प्रश्न हर उस देश में वैसी घटना के बाद उठते हैं, जब कोई ता०नाशाह या आम सरकार जन–आक्रोश की भेंट चढ़ जाती है– जैसाकि पिछले सितंबर में नेपाल में और 2022 के मध्य में श्रीलंका में हुआ था।

अब बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। नेपाल में पिछले सितंबर में कथित जेन–जी प्रतिरोध ने इतना भीषण रूप ग्रहण किया कि तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। वहां भीड़ ने अनेक राजनेताओं की सरेआम पिटाई की और सत्ता के केंद्र एवं प्रतीक भवनों को जला दिया गया। हालांकि प्रतिरोध सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर रोक लगाए जाने के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही उसने जारी राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ पूर्ण विद्रोह का रूप ग्रहण कर लिया। बताया गया कि नौजवान अपने लिए फैलती अवसरहीनता के बीच राजनेताओं और उनके बाल–बच्चों की आलीशान जिंदगी से नाराज थे, जिसका खुला इज़हार उन्होंने सड़कों पर उतर कर किया।श्रीलंका और बांग्लादेश में हुए ऐसे ही विद्रोह से नेपाल का घटनाक्रम इस मामले में ही अलग था कि वहां के सत्ताधारी राजनेता को देश छोड़ कर नहीं भागे। कुछ समय के लिए वे पृष्ठभूमि में चले गए। इस दौरान एक नया प्रयोग यह हुआ कि जेनेरेशन–जेड के उभरे चेहरों ने सोशल मीडिया ऐप डिस्कॉर्ड के जरिए नई सरकार के मुखिया का चयन किया। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। उसी कार्की सरकार की देखरेख में वहां चुनाव कराए जा रहे हैं।

लेकिन चुनाव मुकाबले में फिर से वही चेहरे लौट आए हैं, जिन्हें हटाने के लिए जेन–जी और अन्य पीढ़ियों के लोगों ने उथल–पुथल मचाई थी। जो नया चेहरा सामने है, वह भी जेन–जी आंदोलन से नहीं उभरा। बल्कि उसके पहले सोशल मीडिया के जरिए बनी लोकप्रियता के आधार पर काठमांडू का मेयर बन चुका था। ये बालेन शाह हैं, जिन्होंने अपना करियर रैप म्यूजिक से निर्मित किया।

रैपर के रूप में उन्होंने पारंपरिक राजनेताओं और राजनीति का मखौल उड़ाया। इससे इतनी लोकप्रियता मिली कि नेपाल की राजधानी के लोगों ने उन्हें मेयर चुन लिया। मगर किसी को यह नहीं मालूम कि बालेन शाह के पास देश के विकास एवं जन कल्याण का क्या कार्यक्रम है? उनकी विचारधारा क्या है या देश के बारे में उनकी परिकल्पना क्या है? इसके बावजूद पिछले आम चुनाव में अचानक उभरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है।

इस पार्टी की कथा भी अजीब है। इसकी स्थापना 2022 में हुई। इसके संस्थापक रवि लामिछाने हैं, जो पहले एक लोकप्रिय पत्रकार और टीवी होस्ट थे। पार्टी की विचारधारा के बारे में ज्यादा कुछ मालूम नहीं है, लेकिन 2022 के आम चुनाव में उसका भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडा लोकप्रिय हुआ, जिसे युवाओं का भारी समर्थन मिला। उस चुनाव में 21 सीटें जीत कर आरएसपी ने चौथी सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा पाया।गठबंधन की राजनीति में सत्ता का सुख भोगने के लिए इतनी सीटें काफी होती हैं, तो लामिछाने चुनाव के बाद बनी सरकार में गृह मंत्री बन गए। लेकिन उन पर सहकारी घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा। यह मामला नेपाल में सहकारी संस्थाओं में जुड़ी वित्तीय हेरफेर और धोखाधड़ी से संबंधित था। मामला इतना भड़का कि लामिछाने को जेल जाना पड़ा। मगर जेन–जी आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जेल पर धावा बोल कर रवि लामिछाने समेत 1500 से अधिक कैदियों को रिहा करा लिया। अब लामिछाने की पार्टी सत्ता के प्रमुख दावेदारों में शामिल होकर चुनाव लड़ रही है।चूंकि बालेन शाह की अपनी कोई पार्टी नहीं थी, तो वे आरएसपी में शामिल हो गए। चूंकि लामिछाने की छवि धूमिल हो गई थी, तो उन्होंने बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। यानी यह सुविधा का रिश्ता है, मगर नेपाल में फिलहाल यही एक नया विकल्प है। बाकी पार्टियां वही हैं, जो राजशाही के खात्मे के बाद से सत्ता में भागीदार रही हैं। उन्होंने आपस में इतनी बार गठबंधन बनाए और तोड़े कि उसे एकबारगी से याद रखना शायद उनके लिए भी मुमकिन नहीं होगा! तो वही ओली हैं, वही पुष्प कमल दहल हैं, और वही नेपाली कांग्रेस है– हालांकि पार्टी में विभाजन के बाद गगन थापा नेपाली कांग्रेस के नेता बन चुके हैं। पांच मार्च के बाद इन नेताओं से ही कोई एक प्रधानमंत्री बनेगा।मगर उससे नेपाल में क्या बदलेगा? राजकाज की शैली या राजनीतिक संस्कृति में क्या बदलाव आएगा? देश के विकास और लोगों के जीवन स्तर में क्या फर्क पड़ेगा?

तजुर्बे के आधार पर इन सवालों की पड़ताल करनी हो, तो हम अपना ध्यान श्रीलंका की तरफ ले जा सकते हैं। श्रीलंका में 2022 में अरागलया नाम से हुए जन विद्रोह के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे को सपरिवार देश छोड़ कर भागना पड़ा था। उसके बाद लगभग दो साल तक वहां एक कार्यवाहक सरकार रही। सितंबर 2024 में नया चुनाव हुआ, तो श्रीलंका में कम–से–कम इतना तो जरूर हुआ कि एक ऐसा नया चेहरा उभरा, जिसकी ठोस राजनीतिक पृष्ठभूमि थी। अनुरा कुमारा दिसानायके तब राष्ट्रपति चुने गए, जो मार्क्सवादी– माओवादी जनता विमुक्ति पेरामुना से आए हैं। उनके मौजूदा दल नेशनल पीपुल्स पॉवर को भी वामपंथी माना जाता है। इसलिए दिसानायके की जीत को एक नए और बेहतर विकल्प तलाशने की जनता की आकांक्षा का प्रतीक समझा गया था।

लेकिन उनके डेढ़ साल के शासनकाल का अनुभव क्या है? श्रीलंका या उसके बाहर का शायद ही कोई मार्क्सवादी आज यह कहने की स्थिति में हो कि दिसानायके सरकार ने श्रीलंका को कोई नई दिशा दी है, अथवा उन्होंने वामपंथी सरकार चलाई है। अधिकतम उपलब्धि यही बताई जाती है कि दिसानायके प्रशासन ने देश को राजनीतिक स्थिरता प्रदान की है और सरकार से जुड़े लोगों पर अब तक भ्रष्टाचार के कोई गंभीर आरोप नहीं लगे हैं। मगर इसे किसी रूप में वामपंथी उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जा सकता। दिसानायके ने आर्थिक नीतियों में कोई गुणात्मक या बुनियादी बदलाव नहीं किया, आईएमएफ की शर्तों के मुताबिक सरकार चलाने को सहज राजी हो गए, और इस क्रम में देश के बहुसंख्यक आवाम के जीवन स्तर में किसी बदलाव की उम्मीद उनसे नहीं बची है।दिसानायके को सिर्फ इतना श्रेय दिया जा सकता है कि उनके शासनकाल में श्रीलंका में राजनीतिक स्थिरता रही है और उन्होंने हालात को बदतर नहीं होने दिया। जबकि कई अन्य देशों का अनुभव ऐसा ही है, जहां जन विद्रोह के बाद बनी राजनीतिक व्यवस्था पहले से भी खराब साबित हुई। 2010 का दशक दुनिया में ऐसे प्रतिरोध और विरोध से भरा रहा। गौरतलब है कि 2011 में टाइम मैगज़ीन ने दि प्रोटेस्टर को पर्सन ऑफ ईयर घोषित किया था। इस चयन का कारण था कि उस वर्ष अरब स्प्रिंग, यूरोप और अमेरिका में हुए बड़े पैमाने पर जन आंदोलन हुए।अमेरिका और यूरोप में ऑक्यूपाई वॉल स्ट्रीट मूवमेंट, ट्यूनिशिया, मिस्र, और कई अन्य अरब देशों में व्यापक उथल–पुथल उस वर्ष हुई थी। ट्यूनिशिया और मिस्र में उससे तख्ता पलट भी हुआ। लेकिन आज शायद ही कोई कह सकता है कि वहां हालात पहले से बेहतर हैं। 2010 के आंदोलनों का गंभीर अध्ययन लेखक विंसेट बेविन्स ने 2023 में प्रकाशित अपनी किताब अगर हम जलें: सामूहिक विरोध दशक और लापता क्रांति में किया है। उनके मुताबिक उस दशक में विश्वव्यापी स्तर पर जितने बड़े जन प्रतिरोध हुए, उतना संभवतः इतिहास में कभी नहीं हुआ।मगर बेविन्स की दलील है कि विशाल पैमाने के बावजूद ज्यादातर आंदोलन अपने घोषित मकसदों को पाने में नाकाम रहे। टिकाऊ लोकतंत्र स्थापित करने या क्रांतिकारी बदलाव लाने के बजाय वे उथल–पुथल का जरिया भर बन कर रहे गए। आंदोलन थमने के बाद कई देशों में अधिक क्रूर तानाशाहियां कायम हुईं।

ट्रंप और राहुल का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण एक जैसा

बलबीर पुंज

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा–स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला–विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन–भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है।

समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीति–जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल–पुथल भरी वैश्विक राजनीति में दो ऐसे व्यक्तित्व– अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी– दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा हैं। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप विदेशी है और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है। एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन–देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। ट्रंप द्वारा भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहना कोई साधारण कूटनीतिक चूक नहीं थी। दरअसल, यह उस मानसिकता की झलक थी, जिसमें किसी राष्ट्र की ताकत को उसकी स्वतंत्र नीतियों से नहीं, बल्कि वह कितना 'हां में हां मिलाता है– उस पैमाने पर आंका जाता है। ट्रंप के सहयोगियों द्वारा भारत को रूस का लॉन्ड्रोमैट बताना और रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर ब्राह्मण समाज को निशाना बनाना– महज आर्थिक टिप्पणियां नहीं थीं, बल्कि कुटिल औपनिवेशिक चिंतन की परछाई थी।लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था कथन का समर्थन– मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत–पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिकी मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर नरेंद्र–सरेंडर जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इनकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है। निसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वे संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके है। हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने– जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत– से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने के बजाय इसे संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया।

उस्ताद भगत सिंह के खलनायक पार्थिबन का पहला लुक जारी

पावर स्टार पवन कल्याण की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म उस्ताद भगत सिंह से प्रशंसकों को काफी उम्मीदें हैं। निर्देशक हरीश शंकर द्वारा निर्देशित यह एक्शन एंटरटेनर 26 मार्च, 2026 को भव्य रिलीज के लिए तैयार है। फिलहाल, फिल्म का पोस्ट–प्रोडक्शन कार्य तेजी से चल रहा है। इस फिल्म में पवन कल्याण के साथ श्रीलीला और राशि खन्ना नायिकाओं की भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में, फिल्म टीम ने इस फिल्म के खलनायक के किरदार का पहला लुक जारी किया, जो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बना। तमिल अभिनेता पार्थिबन इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

रिलीज़ हुए कैरेक्टर पोस्टर में पार्थिबन बेहद डरावने और दमदार अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं और काफी प्रभावशाली हैं। फिल्म में उनके किरदार का नाम नल्ला नागप्पा है। पहले लुक से ही साफ है कि पार्थिबन का राजनीतिक नेता का किरदार कहानी में अहम भूमिका निभाने वाला है। खासकर, दर्शक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि निर्देशक हरीश शंकर ने पवन कल्याण और पार्थिबन के बीच टकराव के दृश्यों को किस तरह फिल्माया है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद इस बड़े बजट की फिल्म का संगीत दे रहे हैं, जिसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। रिलीज़ हो चुका पहला गाना अच्छा रिस्पॉन्स पा चुका है और मेकर्स जल्द ही दूसरा गाना रिलीज़ करने की योजना बना रहे हैं। निर्देशक दशरथ कहानी लेखन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

द केरला स्टोरी 2 ने छुड़ाए छक्के, बॉर्डर 2– ओ रोमियो को पछाड़ा

फिल्म ओ रोमियो से लेकर द केरला स्टोरी 2 तक, थिएटर में कई फिल्में लगी हैं. द केरला स्टोरी 2 हाल ही में रिलीज़ हुई. आइए जानते हैं किस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया और कौनसी फिल्म पिछड़ गई. सैकनिल्क के मुताबिक, द केरला स्टोरी ने पहले दिन 75 लाख का कलेक्शन किया. वही फिल्म के कलेक्शन में तगड़ी ग्रोथ दिखी. फिल्म ने दूसरे दिन 4.65 करोड़ की कमाई की. फिल्म का टोटल कलेक्शन 5.40 करोड़ हो गया है. फिल्म में उल्का गुप्ता, अदिती भाटिया और ऐश्वर्या ओझा जैसी एक्ट्रेसेस हैं. ये फिल्म काफी विवादों में भी घिरी रही है. शाहिद कपूर की ओ रोमियो को भी ठीक–ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म ने 16वें दिन 1.3 करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म ने घरेलू बॉक्स पर 64 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वही दुनियाभर में 99.55 करोड़ कमा लिए हैं. इस फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं. वही फिल्म बॉर्डर 2 की बात करें तो फिल्म ने 37वें दिन 25 लाख की कमाई की. फिल्म का अभी तक का टोटल कलेक्शन 327.35 करोड़ हो गया है. फिल्म ने दुनियाभर में 447.5 करोड़ कमा लिए है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे स्टार्स हैं.

भारत के लिए सेमीफाइनल में ट्रंप कार्ड साबित होंगे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया इंग्लैंड को हराकर फाइनल का टिकट कटाना चाहेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप में ये लगातार तीसरा सेमीफाइनल होने वाला है। 2022 में इंग्लैंड ने बाजी मारी, तो 2024 में टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। अब मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दोनों टीमें टकराने वाली हैं। इस मुकाबले में भारत के 5 ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अकेले अपने दम पर टीम को मैच में जीत दिला सकते हैं। इसमें संजू सैमसन से लेकर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तक का नाम शामिल है।

भारत को अपने दम पर जीत दिला सकते है ये खिलाड़ी–

1. जसप्रीत बुमराह

भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए बड़ा सिरदर्द हो सकते हैं। बुमराह नई और पुरानी गेंद के साथ बेहतरीन गेंदबाजी करते हैं। वे बहुत ही कंजूसी के साथ रन भी खर्च करते हैं। बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 6 मैच खेले हैं और 9 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने मात्र 6.30 की इकोनॉमी से रन दिए हैं, जिससे बुमराह अपने दम पर मैच में जीत दिला सकते हैं।

2. संजू सैमसन

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन फॉर्म में वापसी कर चुके हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले में नाबाद 97 रनों की पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। सैमसन ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अगर पिच पर टिक गए, तो इंग्लिश गेंदबाजों की खैर नहीं होगी। वे अपने दम पर भारत को मैच जिता सकते हैं और इसका ताजा उदाहरण विंडीज के खिलाफ खेला गया मैच है।

3. वरुण चक्रवर्ती

वरुण चक्रवर्ती पिछले कुछ मैचों में अपनी लय में नहीं दिखे हैं। उनके खिलाफ बल्लेबाजों ने रन बनाए हैं लेकिन चक्रवर्ती अपनी गेंदबाजी से इंग्लिश बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। वे टी20 की रैंकिंग में दुनिया के नंबर–1 गेंदबाज हैं और भारत को मुश्किल समय में विकेट दिलाते रहे हैं। ऐसे में मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल मैच में भी वे भारत के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं।

4. ईशान किशन

ईशान किशन का पिछले दो मैचों में बल्ला नहीं चला है लेकिन वे शानदर फॉर्म में चल रहे हैं। किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिच पर मैच विनिंग पारी खेली थी। वे आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं। ऐसे में वानखेड़े स्टेडियम का उन्हें अच्छे से अंदाजा है। किशन अपने दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं और इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं।

5. हार्दिक पांड्या

हार्दिक पांड्या बल्ले के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। पांड्या अब तक दो फिफ्टी लगा चुके हैं। वे बल्ले से अंत के ओवरों में तेजी से रन बनाते हैं और मैच का रुख कुछ ही गेंदों में बदल देते हैं। इसके अलावा गेंदबाजी से भी पांड्या टीम इंडिया को सफलता दिलाते हैं।

पति पत्नी और वो दो पोस्टपोन, अब 15 मई को थिएटर्स में आ रही सारा अली खान–आयुष्मान खुराना की फिल्म

अली खान–आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म पति पत्नी और वो दो अब होली के मौके पर रिलीज नहीं होगी. पति पत्नी और वो दो के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने इसकी पुष्टि की है.

तरण आदर्श ने सोशल मीडिया के जरिए पति पत्नी और वो दो के बारे में अपडेट दिया. ट्रेड एनालिस्ट ने बताया कि फिल्म अपने पहली डेट पर रिलीज नहीं होगी. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है, पति पत्नी और वो दो को नई रिलीज डेट मिल गई है. प्रजापति पांडे की दुनिया में आपका स्वागत है.

आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह पति पत्नी और वो दो के लिए टीम में शामिल हुए हैं.

अब 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए शेड्यूल की गई है। प्रजापति पांडे की दुनिया में आपका स्वागत है. आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह पति पत्नी और वो दो के लिए टीम में शामिल हुए हैं.

हाल ही में, एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि यह फिल्म 4 मार्च को रिलीज नहीं होगी क्योंकि इसका पोस्ट–प्रोडक्शन अभी पूरा नहीं हुआ है और एक गाना भी शूट होना बाकी है.

'भारत फाइनल नहीं खेलेगा', पाकिस्तानी स्टार ने एक बार फिर विवाद को दिया जन्म

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर एक बार फिर आलोचनाओं से घिर गए हैं। आमिर ने अनुमान लगाया है कि भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। मोहम्मद आमिर ने इससे पहले कहा था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाएगा। मगर 'सूर्या ब्रिगेड' ने उन्हें गलत ठहराते हुए रविवार को ईडन गार्डन्स पर वेस्टइंडीज को 4 गेंदें शेष रहते पांच विकेट से मात देकर अंतिम–4 में जगह पक्की की थी। भारत के लिए संजू सैमसन (97*) ने उम्दा प्रदर्शन किया था।

मोहम्मद आमिर ने क्या कहा

मोहम्मद आमिर की इस कारण काफी किरकिरी हुई थी। मगर वो एक बार फिर बोल्ड बयान देकर सुर्खियों

से घिर गए हैं। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने कहा कि भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी।

भारत पूर्ण क्रिकेट नहीं खेल रहा है। भारत फाइनल नहीं खेलेगा। मेरा सेमीफाइनल का विश्लेषण सही था। मगर संजू सैमसन ने वाकई अच्छी क्रिकेट खेली। मुझे अब भी लगता है कि भारत पूर्ण क्रिकेट नहीं खेल रहा है। जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई गेंदबाज फॉर्म में नहीं हैं। भारत की बल्लेबाजी देखिए, लगभग हर मैच में उनकी पारी लड़खड़ा रही है। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल अच्छा मुकाबला होगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि भारत फाइनल में नहीं खेलेगा।

एक नजर

होली पर नहीं होगी पानी की किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : होली पर्व पर शहर में पेयजल किल्लत नहीं होगी। पानी की आपूर्ति पूर्व में निर्धारित समय के अलावा दोपहर में भी की जायेगी। जल संस्थान के अपर सहायक अभियंता रविदत्त ने बताया कि शहर में पानी की आपूर्ति पूर्व में निर्धारित समय पर ही होगी। इसके अलावा दोपहर को भी आपूर्ति की जाएगी। कहा कि किसी भी समस्या व समाधान के लिए विभागीय फीटरों व अभियंताओं से संपर्क किया जा सकता है।

असामाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त किए कूड़ेदान

श्रीनगर गढ़वाल : खिर्सू-बुघाणी मार्ग पर रतूड़ा बैंड के समीप अज्ञात असामाजिक तत्वों ने नगर निगम की ओर से लगाए गए कूड़ेदानों को क्षतिग्रस्त कर खाई में फेंक दिया। सूचना मिलने पर निगम कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त कूड़ेदान खाई से निकाले व उन्हें निगम कार्यालय में जमा कराया। निगम प्रशासन ने असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए इस कृत्य की निंदा करते हुए सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करने की अपील की। (एजेंसी)

चक्रव्यूह मंचन सात को

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम कार्यालय में मेयर आरती भंडारी ने पंतजलि महिला समूहों की महिलाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम के आयोजन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि समूह की महिलाओं की ओर से रामलीला मैदान में चक्रव्यूह मंचन किया जाना प्रस्तावित है। इसे लेकर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने सात मार्च को चार बजे से होने वाले चक्रव्यूह मंचन में पहुंचने के लिए लोगों से अपील की। (एजेंसी)

बुजुर्ग की मौत

देहरादून : दीप नगर में सोमवार देर रात रेलवे ट्रैक से गुजर रहे 59 वर्षीय बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक मजदूरी करते थे। एसओ नेहरू कॉलोनी संजीत कुमार ने सोमवार रात सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पता लगा कि रेलवे ट्रैक से पैदल गुजरते वक्त राजेंद्र प्रसाद भट्ट निवासी दीपनगर ट्रेन की चपेट में आए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। रात को शव मोर्चरी में रखवाया। बुधवार सुबह पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव मृतक के परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। (एजेंसी)

शादी समारोह में शराब पिलाने पर लगेगा 21 हजार का जुर्माना

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेरगणी में महिला मंगल दल ने बैठक कर गांव में शराब बंदी का प्रस्ताव पारित किया। शराब बंदी के बाद शादी–समारोह शराब पिलाने वालों पर ग्राम पंचायत 21 हजार रुपये का जुर्माना लगाएंगी।

होली पर दमा व खांसी के मरीज रहे सतर्क

कोटद्वार का बेस अस्पताल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : होली के त्योहार पर दमा (अस्थमा) और खांसी से संबंधित मरीजों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। दरअसल, होली के दौरान उड़ने वाला रंग, केमिकल युक्त गुलाल सांस संबंधी रोगियों के लिए हानिकारक होता है। यही नहीं, होली के कैमिकल युक्त रंग गर्भवती महिलाओं की भी परेशानी बढ़ा सकता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को इससे दूरी बनानी चाहिए। चार मार्च को मनाई जाने वाली होली को लेकर शहर में उत्साह बना हुआ है। शहरवासी एक-दूसरे पर रंग लगाने की तैयारियों में जुट गए हैं। लेकिन, होली का रंग दमा (अस्थमा) और खांसी के मरीजों के साथ ही गर्भवती महिलाओं की मुश्किलें बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो रंगों में मौजूद रसायन और धूल के कण सांस की नली में जलन पैदा कर सकते हैं, जिससे दमा के मरीजों को सांस लेने में दिक्कत, खांसी, एलर्जी और सीने में जकड़न की समस्या बढ़ सकती है। खासकर बच्चों व बुजुर्गों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

यह बरते सावधानी

1. केमिकल युक्त रंगों की बजाय हर्बल या प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करें
2. चिकित्सक द्वारा दी गई दवाइयां और इनहेलर साथ रखें
3. धूल और अधिक भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें

जगह–जगह आयोजित हुए होली मिलन समारोह, जमकर उड़ा अबीर–गुलाल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : रंग, उमंग, मौज-मस्ती और आपसी सौहार्द के प्रतीक होली के मौके पर मंगलवार को जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों तक होली मिलन समारोहों की धूप रही। इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल पाबौ व थलीसैंण ब्लॉक के ग्राम कपरोली, जल्लू, नैनी आदि जगहों पर होली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। गणेश गोदियाल ने जनसंवाद के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और समाधान को लेकर सार्थक चर्चा की। वहीं पौड़ी में कांग्रेस नेता विनोद दनोसी ने कार्यक्रम आयोजित कर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया। भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष कमलकिशोर रावत ने कार्यकर्ताओं के साथ होली मिलन कार्यक्रम मनाया। वहीं, गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ महातिम यादव ने लोगों से सुरक्षित तरीके से होली मनाने की अपील की।

राठ मैती होलियार टीम ने जमाया रंग, होली के गीतों पर झूमे लोग

कोटद्वार में घूम–घूमकर होली खेलते राठ क्षेत्र के होल्यार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सोमवार को होलिका दहन के दौरान कोटद्वार पहुंची राठ मैती होलियार की टीम ने खूब रंग जमाया। देर रात तक टीम ने शहर के अलग-अलग स्थानों पर होलिका दहन कार्यक्रम में भाग लिया।

शाम के समय शहर के अलग-अलग वार्डों में होलिका दहन किया गया। लोगों ने होलिका का दहन करते हुए होली के गीत गाए। इस दौरान राठ क्षेत्र से मैती होलियार की टीम भी होलिका दहन कार्यक्रमों में शामिल हुई। इंटरनेट मीडिया से चर्चाओं में आई इस होली की टीम को देख लोगों के चेहरे खिल उठे। लोगों ने टीम के साथ होलिका के आसपास घूमते हुए होली के गीत गाए। टीम की ओर से गाए गए 'पुरणी दैली गया तुमरी..', ने लोगों को भावुक कर दिया। देर रात तक टीम शहर के अलग-अलग स्थानों पर घूमते हुए होली के गीत गाती रही। दुर्गापुरी में टीम का विशेष फूल और गुलालों से स्वागत किया गया। मंगलवार को भी टीम ने शहर में होली के गीत गाए।

होली पर बनी रहें स्वच्छता यह हम सभी की जिम्मेदारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम की ओर से होली मिलन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने पार्षदों व पर्यावरण मित्रों से सफाई के लिए आमजन को जागरूक करने की अपील की।

आयोजित कार्यक्रम में पार्षदों व पर्यावरण मित्रों के साथ ही निगम के अन्य कर्मचारियों व अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण पर्यवेक्षक, पर्यावरण मित्र व समस्त पार्षद शहर को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दें। हमें आमजन को भी सफाई के प्रति जागरूक करना होगा। कहा कि घर-घर से कूड़ा एकत्रित करने के लिए नगर निगम की ओर से प्रत्येक वार्ड में वाहनों का संचालन हो रहा है। हमें आमजन को संदेश देना होगा कि वह अपने घरों का कूड़ा केवल निगम के वाहनों में ही डाले। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ नगर निगम गंभीरता से कार्रवाई भी कर रहा है। इस दौरान उन्होंने लोगों से होली पर हर्बल रंगों का प्रयोग करने की अपील की। नगर आयुक्त पीएल शाह ने तमाम कर्मियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए नगर को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कहा कि इस मर्तबा स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर को बेहतर स्थान में लाना सभी का संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

कोदे–झंगोरे के उत्पादों की बढ़ी डिमांड

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उमंग बेकरी यूनिट में कोदे और झंगोरे से तैयार किए जा रहे जैविक उत्पादों की बाजार में खूब मांग बढ़ने लगी है, जिससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की आय भी बढ़ रही है। वर्ष 2019 में उमंग स्वायत्त सहकारिता बिचली ढांडरी ने हिमोत्थान समिति (टाटा ट्रस्ट) और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सहयोग से यूनिट स्थापित की थी। यूनिट में 105 महिलाओं की ओर से स्वरोजगार को अपनाकर कोदे और झंगोरा से विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर किया जा रहा है। जिला मुख्यालय में महिलाओं समूहों की ओर से संचालित उमंग बेकरी यूनिट रोजगार और आत्मनिर्भरता का मजबूत जरिया बन रही है। उत्पादों की जहां स्थानीय बाजारों में मांग बढ़ रही है वहीं दूसरे जिलों में भी इन्हें खूब पसंद किया जा रहा है। महिलाओं की इसी मेहनत के बूते यूनिट डेढ़ से दो लाख रुपये प्रतिमाह की आय प्राप्त कर रही है। ब्लॉक मिशन मैनेजर विजय सिंह ने बताया कि यूनिट में महिलाओं को मशीनें, उपकरण और बेकरी का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में झंगोरा 90 रुपये और कोदा 47 रुपये प्रति किलो खरीदा जा रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीईएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर जिनके बंद होने की तिथि 31.03.2026 है। निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या, दिनांक	05-GSU-MB-25-26, 03.03.2026
कार्य का नाम	Improvement of Circulating Area, Pathway, Drainage, elevation improvement, concourse development, FOB civil work under ABSS work at Rampur Station, Amroha, SPN, Hardoi and Hapur station under Dy. CE GSU MB in Moradabad Division Divyangjan Parking, In & Out Gate and other Misc. Works at Rampur Station, GJL FOB Foundation work, HPU FOB Civil Work, AMRO PF Civil Work under ABSS, in the Jurisdiction of Dy. CE/GSU/MB
टेन्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	31.03.2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	6,94,40,082.35
धरोहर राशि (रु.)	4,97,200.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	17.03.2026

सं.: Dy. CE/GSU/MB/Publication-05/25-26 दिनांक: 03.03.2026 730/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुलाणा-कांडी मार्ग पर जोखिम भरा सफर करने को मजबूर लोग

श्रीनगर गढ़वाल : विकास खंड कीर्तिनगर के दर्जनों गांवों को ब्लॉक, तहसील और बाजार से जोड़ने वाला मुलाणा-कांडी मार्ग करीब छह माह से खस्ताहाल हैं। मार्ग पर जमा बरसाती मलबा और क्षतिग्रस्त दीवारों के कारण क्षेत्र के लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने के लिए मजबूर हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2018 में मुलाणा, कांडी, गोनी, ऐराड़ी, चाचकंडा, सिल्काखाल गांवों को जोड़ने वाला मार्ग करीब छह माह से खस्ताहाल है। कांडी के पास मार्ग का करीब दो किलोमीटर चट्टानी हिस्सा मलबा, बोल्डर और दीवारों के टूटने से जानलेवा बन चुका है। कई स्थानों पर मलबे से मार्ग संकरा होने के कारण हादसे का खतरा बना है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष व चिलेड़ी क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य उत्तम सिंह असवाल ने बताया कि यह मार्ग लोस्तु पट्टी व सिल्काखाल क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोगों के ब्लॉक, तहसील, सीएचसी व बाजार पहुंचने के लिए सबसे आसान मार्ग है। इस मार्ग से उन्हें करीब 15 से 20 किलोमीटर की कम दूरी तय करनी पड़ती है।

ब्लेड को सार्वजनिक स्थानों पर न फेंके

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम सभागार में मेयर आरती भंडारी के निर्देश पर सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी व मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार ने निगम क्षेत्र के बारबर की बैठक ली। इस मौके पर उन्हें निर्देशित किया गया कि बाल काटने में प्रयुक्त ब्लेड को उपयोग करने के बाद एक बॉक्स में रखकर निगम को दें। ब्लेड रखने के लिए बॉक्स निगम की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। कहा कि ब्लेड को किसी भी हाल में सार्वजनिक स्थानों पर न फेंका जाए। यदि कोई ऐसा करते हुए पकड़ा गया तो कार्रवाई होगी। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीईएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि 24.03.2026 है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	04-GSU-MB-25-26 02.03.2026
कार्य का नाम	ABSS: Construction of 1st floor at NDD station and improvement of circulating area at Najibabad, 5m FOB civil work at Gajraula station, misc. work at KTW over Moradabad Division
टेन्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	24.03.2026 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	45809065.90
धरोहर राशि	370100.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	10.03.2026

सं.: Dy.CE/GSU/MB/Publication-04/25-26 दिनांक: 02.03.2026 720/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उत्तर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई–टेंडर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमान्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या	313-DRM-MB-25-26 Date: 25.02.2026	314-DRM-MB-25-26 Date: 25.02.2026	315-DRM-MB-25-26 Date: 25.02.2026
कार्य का नाम	Safety work related misc. track works in the section of SSE/P.Way/DPR under ADEN/NBD.	Safety work related misc. track works in the section of SSE/P.Way/KNT under ADEN/NBD	Improvement of PWI Store cum office at AMRO and BJO under ADEN/GJL.
टेंडर क्लोजिंग दिनांक/समय	27.03.2026/16:00	27.03.2026/16:00	27.03.2026/16:00
अनुमानित लागत(₹)	₹89,67,400.70	₹89,64,593.34	₹54,96,523.08
धरोहर राशि(₹)	₹1,79,400.00	₹1,79,300.00	₹1,09,900.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह	06 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	13.03.2026	13.03.2026	13.03.2026

टेंडर नं.: Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 02.03.2026 719/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कविताओं के माध्यम से बताया पहाड़ का दर्द

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : होली की पूर्व संध्या पर साहित्यांचल संस्था की ओर से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान कवियों ने कविता के माध्यम से पहाड़ के दर्द को बताया। साथ ही आमजन से होली का त्योहार शांति व सौहार्द पूर्वक मनाने की भी अपील की।

आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से पहाड़ के दर्द को बताया। संपत्ति नेगी की पहाड़ के पलायन पर आधारित गढ़वाली कविता कूणी काणी गौ गुठ्यार छोड़कि कुटदर भाबर ऐग्यूं फाल मारिकी.. आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम का शुभारंभ वेद प्रकाश माहेश्वरी, शिवप्रसाद कुकरेती व प्रकाश कोठारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सर्वप्रथम अनुसुया डंगवाल ने भर गई रंगों से पिचकारी, चढ़ गई फागुनी खुमारी... कविता सुनाई। डा. अनुराग शर्मा ने रंगों के इस रंग पर्व में सब रंग सजाए है... सुनाकर माहौल को रंगमय बना दिया। संपत्ति नेगी ने गढ़वाली कविता कूणी काणी गौं गुठ्यार छोड़ीकि कुटदर भाबर ऐग्यूं फाल मारिकी.. सुनाकर खूब वाहवाही लूटी। इसके अलावा शशि अमोली ने करें पांव जब नर्तन समझ लेना कि होली है..., डा. रोशन बलूनी ने रंगमत होईगीं गौं गुठ्यार, ऐगैनी होली हुल्यार गजल की प्रस्तुति दी। ललन बुडाकोटी ने रंगों के खेल में उमंगों की सी होती है, मुझे देखा उसने तो मेरे साथ होली है.., प्रवेश नवानी व राकेश अग्रवाल ने कविता पाठ के माध्यम से विश्व शांति के लिए रूस यूक्रेन, अमेरिका, इजराइल, ईरान युद्ध की भयावह स्थिति का चित्रण किया। विजय माहेश्वरी, डा. वेदप्रकाश माहेश्वरी, शिवप्रकाश कुकरेती, चंद्र प्रकाश नैथानी ने कविता पाठ कर समाज की बुराइयों पर तंज कसे। इस मौके पर जयवीर सिंह रावत, भुवन मोहन गुसांई, अशोक थपलियाल, शिव सिंह नेगी, मोहिनी नौटियाल, शंकर दत्त गौड, गोविंद डंडरियाल, मयंक कोठारी, डा. सुरेंद्र लाल आर्य मौजूद रहे।

टिहरी बांध विस्थापित और प्रभावितों को मिले निशुल्क बिजली—पानी

नई टिहरी। निशुल्क बिजली–पानी की सुविधा के साथ बांध से मिलने 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी में विकास कार्यों पर खर्च किए जाने की मांग को लेकर विस्थापित और प्रभावितों का अनिश्चितकालीन धरना जारी है। धरने पर बैठे लोगों ने मांगों के निस्तारण न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। बौराड़ी के गणेश चौक में सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी के नेतृत्व में संचालित धरना चौथे दिन भी जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता भंडारी ने कहा कि होली के दिन भी धरना जारी रहेगा। कहा कि निशुल्क बिजली–पानी बांध विस्थापितों और प्रभावितों अधिकार है, उन्हें उनका हम मिलना चाहिए। कहा कि टिहरी बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर खर्चा किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

जरड़ा–नरयूंका मार्ग के डामरीकरण को मिली 25 करोड़ की मंजूरी

उत्तरकाशी। पीएमजीएसवाई के तहत जरड़ा नरयूंका मोटर मार्ग का डामरीकरण एवं सुधारीकरण होने से एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों की आवाजाही सुगम होगी। धारी कफनौल क्षेत्र के निवासियों का ब्लॉक मुख्यालय तक का सफर लगभग 12 किमी कम हो जाएगा। जरड़ाझनरयूंका मोटर मार्ग के डामरीकरण और सुधार कार्य के लिए भेजी गई डीपीआर को स्वीकृति मिलने के बाद विभाग ने निविदाएं आमंत्रित कर ली हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी ने परियोजना के लिए 25 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है जिससे सड़क का सुदृढ़ीकरण और डामरीकरण किया जाएगा। इस कार्य से जरड़ा, छुड़ी, तेड़ा, तियां, बजलाड़ी, नरयूंका, पालुका, खाबला, धारी और कलोगी सहित एक दर्जन से अधिक गांवों को लाभ मिलेगा। धारी कफनौल क्षेत्र के लोगों को अब ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने के लिए पहले की तुलना में 12 किमी कम दूरी तय करनी पड़ेगी। अभी तक लोगों को कुंवाझकफनौल मोटर मार्ग से होकर लगभग 40 किमी की दूरी तय करनी पड़ती थी। वर्ष 2010 में बने मोटर मार्ग का लोक निर्माण विभाग डेढ़ दशक बाद भी डामरीकरण नहीं कर पाया जिससे ग्रामीणों को जोखिमभरी आवाजाही करनी पड़ रही थी। वर्षा ऋतु में मार्ग से जुड़े गांवों के काश्तकारों को नकदी फसलों को मंडी तक पहुंचाने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अब पीएमजीएसवाई पुरोला को हस्तांतरण के बाद सड़क के डामरीकरण और सुधारीकरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। विभाग के ईई योगेंद्र कुमार ने बताया कि जरड़ा नरयूंका मोटर मार्ग के डामरीकरण के लिए 24 करोड़ पिचहत्तर लाख की धनराशि स्वीकृत हुई है, जिसके लिए निविदा आमंत्रित की गई है।

प्राथमिक उपचार के लिए भी जाना पड़ रहा 30 किमी दूर

चमोली। पर्यटन नगरी लोहाजंग में प्राथमिक उपचार की सुविधाएं ही नहीं हैं जबकि यहां बारहमासी पर्यटक आते हैं। यही नहीं लोहाजंग आसपास के 20 से 30 गांवों का केंद्र भी है। मगर यहां अस्पताल नहीं होने से मरीजों को प्राथमिक उपचार के लिए 20 से 30 किमी दूर देवाल जाना पड़ता है। ग्रामीणों की ओर से यहां लगातार स्वास्थ्य केंद्र खोले जाने की मांग भी की जा रही है। लोहाजंग के आसपास के मुंदोली, बानुड़ी, हरनी, सुया, धारकोट, कुलिंग, बांक, वाण, दीदना सहित 20 से अधिक गांवों की करीब सात हजार की आबादी है लेकिन यहां स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं। रूपकुंड पर्यटन विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह राणा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि पर्यटन गतिविधियों के लिए यहां पर देश–विदेश के पर्यटक आते हैं लेकिन इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा नहीं होने से लोगों को सर्दी, जुकाम सहित मामूली बीमारी के लिए भी 20 से 40 किमी दूर देवाल जाना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से लोहाजंग में स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत की मांग की। वहीं सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि लोहाजंग में स्वास्थ्य केंद्र के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली से दूरी मानक, जनसंख्या और अन्य मानकों की रिपोर्ट मांगी जाएगी। इसके बाद स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा।

राठ के होल्यारों के गीतों ने जमाया रंग, उड़ाया गुलाल

चमोली। होली पर मंगलवार को गोपेश्वर में लोगों ने जमकर होली खेली। दिन भर बाजार में होल्यारों की टीम गीत गाती रही। पौड़ी जिले के राठ (पैठाणी) से आए होल्यारों ने गोपीनाथ मंदिर परिसर में ऐसा रंग जमाया कि लोग जमकर झूमने लगे। होली पर गोपेश्वर बाजार में ज्यादातर दुकानें बंद रहीं सिर्फ होली के सामान वाली और फल सब्जी वाली दुकानें ही खुली रहीं। पूर्वाह्न 11 बजे से बाजार में होल्यार आने शुरू हुए। उसके बाद लोगों ने एक दूसरे पर खूब अबीर गुलाल लगाया। दोपहर 12 बजे पौड़ी जिले के पैठाणी से होल्यारों की टीम होली के गीत गाते हुए गोपीनाथ मंदिर पहुंची। पहाड़ी अंदाज में होली के गीत गाते ये होल्यार जैसे ही गोपीनाथ मंदिर के चौक पर पहुंचे वहां आसपास के लोगों की भारी भीड़ उमड़ गई। करीब दो घंटे तक मंदिर परिसर में होली के गीतों का सिलसिला चला। कई स्थानीय लोग भी उनके साथ गीतों पर नृत्य करते नजर आए। वहीं गोपेश्वर के रामलीला मैदान में डीजे पर युवक झूमते रहे। इस दौरान मंदिर समिति और आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पंकू पहाड़ी का दिखा क्रेजः राठ से आए होल्यारों की टीम का नेतृत्व ब्लॉगर पंकू पहाड़ी कर रहे थे। युवाओं में पंकू पहाड़ी को लेकर खासा क्रेज देखने को मिला। युवाओं ने उनके साथ सेल्फी भी ली तो कोई उनके साथ वीडियो बनाते नजर आए।

चौराहे पर चले लात घूसे, पुलिस ने दबोचे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : होलिका दहन के दौरान नजीबाबाद चौराहे में दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। युवाओं ने चौराहे पर खूब उत्पात मचाया। घटना से संबंधित एक वीडियो भी इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों गुटों के युवाओं को पकड़कर कोतवाली लेकर आई।

घटना रात करीब नौ बजे की है। होलिका दहन के चलते पुलिस फोर्स झंडाचौक में तैनात था। इसी दौरान नजीबाबाद चौराहे पर युवाओं के दो गुट आपस में गाली-गलौज करने लगे। देखते ही देखते युवा एक दूसरे के साथ मारपीट करने लगे।

इसके कारण चौराहे पर यातायात भी बाधित हुआ। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस युवाओं को पकड़कर कोतवाली लेकर आ गई। मालूम हो कि पुलिस ने होली पर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। ऐसे में लगातार पुलिस क्षेत्र में गश्त भी कर रही है।

डामर उखाड़कर बिछाई मिट्टी, धूल के गुबार से लोग बेहाल

उत्तरकाशी। गंगोरी में बीआरओ की ओर से गंगोत्री हाईवे के डामरीकरण के नाम पर उखाड़ कर वहां पर नेताला भूस्खलन जोन से मिट्टी लाकर बिछा दी। इससे कारण वहां पर धूल उड़ने के कारण व्यापारियों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि वे धूल से बचने के लिए दिनभर सड़क पर पानी का छिड़काव करने के लिए मजबूर हैं। साथ ही धूल से दुकानों और घरों में रखा सामान खराब हो रहा है। स्थानीय व्यापारी सुनील राणा, दिग्विजय नेगी, विकास राणा का कहना है कि गंगोरी पुल के समीप बाजार में गंगोत्री हाईवे मात्र वन विभाग के बैरियर के समीप क्षतिग्रस्त था। बीआरओ की ओर से सड़क सुधारीकरण के नाम पर गंगोरी पुल के दोनों पहले सड़क पर बिछाया गया डामर उखाड़ा गया। उसके बाद वहां पर डामरीकरण बिछाने के स्थान पर नेताला भूस्खलन जोन से लाई गई मिट्टी को बिछा दिया गया। इससे अब पूरे बाजार सहित आसपास के घरों में लोग सड़क पर उड़ने वाली धूल के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे जहां एक ओर दुकानों और घरों में रखा सामान खराब हो रहा है वही दूसरी ओर धूल के कारण सांस सहित खांसी आदि बीमारी का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय व्यापारियों औ लोगों को दिनभर सड़क पर धूल से बचने के लिए छिड़काव करना पड़ता है।

पुलिस ने लौटाए वर्षों से खोए हुए मोबाइल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पुलिस ने एक वर्ष से खोए हुए मोबाइल उनके स्वामियों तक पहुंचाए। इस दौरान खोए हुए मोबाइलों को देख लोगों के चेहरे खिल उठे।कोतवाली परिसर में अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर ने लोगों को उनके मोबाइल सौंपे। पुलिस ने कहा कि पिछले एक वर्षों से उन्हें खोए हुए मोबाइलों की शिकायत मिली। जिसके बाद पुलिस की सीआईयू टीम लगातार मोबाइलों की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने 42 मोबाइल फोन बरामद किए, जिन्हें अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर ने मोबाइल स्वामियों तक पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि बरामद किए गए मोबाइलों की कीमत करीब आठ लाख रुपये से अधिक की थी। कई लोग लगातार पुलिस से मोबाइल मिलने की भी सूचना ले रहे थे। अब जबकि उन्हें अपने खोए हुए मोबाइल वापस मिले हैं, उनमें खुशी का माहौल है।

लाखों की लागत पर फिरा पानी, सीधे भागीरथी में गिर रहा सीवेज

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र के गंगोरी में लाखों की लागत से बना सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट जर्जर होने के साथ ही उसके आसपास झाड़ियां उग पाई है। इससे एक बड़ा क्षेत्र अभी तक सीवरेज ट्रीटमेंट योजना से नहीं जुड़ पाया है। इससे सीवेज प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सीधा अस्सी गंगा और भागीरथी नदी में जा रहा है लेकिन निर्माण एवं अनुरक्षण ईकाई (गंगा) पेयजल निगम की ओर से इसके सुधारीकरण के लिए कदम नहीं उठाए गए हैं। पूर्व सभासद देवेंद्र चौहान ने कहा कि गंगोरी क्षेत्र को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ने के लिए वर्षों पूर्व विभाग की ओर से निर्माण तो किया गया लेकिन उसके बाद लाखों की धनराशि खर्च करने के बाद अभी तक इसका प्रयोग नहीं हो पाया है। साथ ही भागीरथी नदी में आई बाढ़ में भी इसका कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। निर्माण एवं अनुरक्षण ईकाई (गंगा) पेजयल निगम की अनदेखी के कारण गंगोरी का एक बड़ा क्षेत्र अभी तक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से नहीं जुड़ पाया है जबकि पिछले पांच से छह वर्षों में गंगोरी में जनसंख्या में लगातार वृद्धि हुई है। स्थानीय लोगों की ओर से सीवरेज गड्ढे बनाकर ही उसको नालियों आदि से जोड़ा जा रहा है। इससे नालियों से सीवरेज सीधा नदियों में जा रहा है जो कि गंगा स्वच्छता पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। क्षेत्र ईको सेंसटिव जोन के तहत आता है। चौहान ने कहा कि जिला प्रशासन को इसका संज्ञान लेकर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को शुरू करवाना चाहिए। इससे एक बड़ा क्षेत्र प्लांट से जुड़ पाएगा और गंगा भी स्वच्छ रहेगी। विभाग के परियोजना प्रबंधक मानवेंद्र कफोला का कहना है कि गंगोरी के प्लांट को नई योजना में शामिल किया गया है।

होली में देहरादून में बढ़ जाती है नशे की खपत

उत्तरकाशी। मोरी पुलिस टीम ने होली की आड़ में चरस की तस्करी करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक से पुलिस ने एक किलो 348 ग्राम चरस बरामद कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि होली के त्योहार में देहरादून में खपत बढ़ जाती है। थानाध्यक्ष मोरी दीपक रावत के नेतृत्व में थाना मोरी पुलिस की टीम ने बीती सोमवार रात्रि को चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मोरी, बागी मौताड बैंड के पास आयुष ठाकुर, विकासनगर देहरादून की कार की तलाशी ली गई। वाहन से पुलिस टीम ने एक किलो से अधिक चरस पकड़ी। पुलिस पूछताछ में युवक ने बताया कि होली के त्योहार के दौरान नशीले पदार्थों की खपत को देखते हुए वह चरस को देहरादून क्षेत्र में बेचने की फिराक में था।

जिला अस्पताल में नहीं खुल पाई पुलिस चौकी

उत्तरकाशी। जिला अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट व अभद्रता की घटनाओं को लेकर कई बार चर्चाओं में रहा है। अस्पताल स्टाफ लंबे समय से परिसर में स्थायी पुलिस चौकी खोलने की मांग करता आया है लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया है। वर्ष 2017 में कोतवाली पुलिस उत्तरकाशी ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत अस्पताल परिसर में अस्थायी पुलिस चौकी स्थापित की थी। उस समय तत्कालीन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर से इसका विधिवत उद्घाटन भी किया गया था। हालांकि, बाद में किन्हीं कारणों से यह चौकी हटा दी गई। पिछले कुछ वर्षों में अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ के साथ अभद्रता और मारपीट की घटनाएं बढ़ी है। गत वर्ष इमरजेंसी वार्ड में रात के समय डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया था। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से स्थायी चौकी खोलने की मांग को फिर से प्रमुखता से उठाया। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएस पोखरियाल के अनुसार, कई बार मरीजों के तीमारदारों की ओर से डॉक्टरों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। बीते वर्षों में सामने आए मामलों के कारण अस्पताल स्टाफ खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि डॉक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस चौकी का प्रस्ताव काफी पहले पुलिस प्रशासन को भेजा जा चुका है ।

दो दिनों से जल रहे कंडारा और आदिबदरी के जंगल

चमोली। ब्लॉक के कपीरी पट्टी के ग्राम पंचायत कंडारा और आसपास के जंगल में लगी आग से वन संपदा को अत्यधिक क्षति पहुंची है। पूर्व प्रधान कुसुम कंडारी और पदमेंद्र कंडारी ने बताया कि दो दिन से जंगल जल रहे हैं। अबक्षेत्र के जंगलों में लगी आग विकराल होती जा रही है। वहीं आदिबदरी के समीप के जंगल दूसरे दिन भी जलते रहे। वहीं बरतोली गांव के जंगल में भी आग लगी जिसे महिलाएं बुझाने में जुट गईं। एक ओर वन विभाग वनाग्नि सुरक्षा के लिए अभियान संचालित कर रहा है लेकिन वनों की सुरक्षा के लिए उचित इंतजाम नहीं होने से इन अभियानों और बैठकों के दावों पर ही सवाल उठने लगे हैं। वनों में लगी आग से ग्रामीणों को मवेशियों के लिए चारापत्ती आदि लाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों से वनाग्नि को नियंत्रित करने और ग्राम प्रहरियों तथा वन सरपंचों को सजग करने की मांग की। वहीं आदिबदरी में बदरीनाथ वन प्रभाग के रंडोली और भलसों के जंगल मंगलवार को दूसरे दिन भी धधकते रहे। सामाजिक कार्यकर्ता विजवेश नवानी ने बताया कि विगत दो दिनों से जंगलों में लगी आग और धुएं से सांस के रोगियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मगर वन विभाग की ओर से वनाग्नि को नियंत्रित करने के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने शासन–प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर वनाग्नि को नियंत्रित करने के लिए वन विभाग को निर्देशित करने की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी अखिलेश भट्ट ने बताया कि विभागीय कर्मियों को त्वरित रूप से कंडारा के जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए भेजा जा रहा है।

शरारती तत्वों ने लगाई आग, रातभर जले जंगल

नारायणबगड़। सोमवार रात से कौब के आरक्षित और पालछूनी वन पंचायत के जंगलों में भीषण आग लगने से पिंडरघाटी में धुआं छाया है। वनकर्मियों के अथक प्रयासों से वनाग्नि को काबू तो कर लिया गया है लेकिन वातावरण में धुआं होने से लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ हो रही है। सोमवार रात को अचानक कौब के जंगल में आग भड़क गई थी। इसके साथ ही पालछूनी वनपंचायत के जंगल में भी किसी ने आग लगा दी। वनक्षेत्राधिकारी अखिलेश भट्ट ने बताया कि वनकर्मी रातभर जंगल की आग बुझाने में लगे रहे और मंगलवार सुबह इस पर काबू पा लिया गया।

संस्कृति और राज्य के शहीदों के बारे में बताएंगी दीवारें

चमोली। प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण की दीवारों पर उत्तराखंड की संस्कृति, परिधान, वाद्ययंत्र और राज्य आंदोलनकारियों के शहीदों के चित्र बनाए जाएंगे। नगर पंचायत गैरसैंण की ओर से नगर की विभिन्न खाली पड़ी दीवारों पर वॉल पेंटिंग की जा रही है। नपं की ओर से लगभग 17 वॉल पेंटिंग बनाई जाएंगी जो उत्तराखंड की संस्कृति और राज्य आंदोलन के शहीदों की याद दिलाएंगी। नपं मोहन भंडारी की ओर नगर को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए नगर में सड़क किनारे खाली पड़ी विभिन्न खाली पड़ी दिवारों को सजाया जा रहा है। चित्रकार मुकुल बड़ोनी और दीपक कुमार की ओर से दीवारों पर रम्माण, छोलिया, पारंपरिक परिधान, शृंगार, पहाड़ी संस्कृति आदि की पेंटिंग बनाई जा रही है। नपं अध्यक्ष मोहन भंडारी ने बताया कि वॉल पेंटिंग से जहां खाली पड़ी दीवारें सुंदर और आकर्षक दिखेंगी ।

होली पर जिलेभर में 600 पुलिसकर्मी करेंगे निगरानी

नई टिहरी। होली के त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने जिलेभर में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस बार 600 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जो विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी संभालेंगे। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों और चौकी इंचार्जों को होली के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए जा चुके हैं। संवेदनशील स्थानों और मुख्य चौराहों पर विशेष पुलिस दस्ते तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही खुफिया तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है, जिसके कर्मचारी सादी वर्दी में संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखेंगे। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने बताया कि होली से पहले टैक्सी यूनियनों और वाहन संचालक कंपनियों के साथ बैठक की जा चुकी है। उन्हें त्योहार के दौरान विशेष सावधानी बरतने और नशे की हालत में वाहन संचालन न करने देने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। एहतियातन गंगा नदी में शिवपुरी और कौडियाला क्षेत्र में होली के दिन एक दिन के लिए राफ्टिंग गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की है कि त्योहार को आपसी सौहार्द और शांति के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

आपताकाल में इन नंबरों पर करें संपर्क

एंबुलेंस– 108
अग्निशमन–112
पुलिस कंट्रोल रूम
7668535660
9411112975
जिला आपदा प्रबंध कंट्रोल रूम–
8126268098
7983340807

होली पर अलर्ट मोड में पुलिस, जिलेभर में सघन चेकिंग और निगरानी तेज

अल्मोड़ा। होली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर जिले में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर जनपदभर में सघन चेकिंग अभियान, गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि त्योहार शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें।

अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा बलवन्त सिंह और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद की निगरानी में सभी थाना प्रभारियों ने अपने–अपने क्षेत्रों में चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। नगर क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों, चौराहों और मोटर मार्गों पर वाहनों की जांच की जा रही है। जिले की सीमाओं और प्रवेश मार्गों पर भी हर वाहन को रोककर जांच की जा रही है, ताकि कोई संदिग्ध या आपराधिक तत्व क्षेत्र में प्रवेश न कर सके। पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की तलाशी लेने के साथ ही पूछताछ भी कर रही है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा रही है। किरायेदारों और बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की भी जांच की जा रही है और बिना सत्यापन के रहने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी जा रही है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी पुलिस की नजर बनी हुई है, ताकि अफवाह या भ्रामक सूचना फैलाने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि त्योहारों को शांतिपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाने या कंट्रोल रूम को दें।

ग्रामीणों ने की सड़क निर्माण की मांग

चमोली। विकासखंड के तलवाड़ी खालसा, जटेरा और बैनोली के ग्रामीणों ने गांवों के लिए स्वीकृत सड़क के निर्माण की मांग की।

ग्रामीणों ने कहा कि वर्ष 2021 में बैनोली से नासिर बाजार होते हुए थराली तक तीन किमी सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली थी लेकिन अब तक सड़क निर्माण की कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई है। ऐसे में ग्रामीण और स्कूली बच्चे तीन किमी ऊबड़ खाबड़ पैदल रास्तों से आवागमन करने के लिए मजबूर हैं। तलवाड़ी के प्रधान राहुल टम्टा, कुंदन राम, प्रताप सिंह, सावित्री देवी, हरपाल सिंह, दीवान राम, बल्छू राम, इंद्र सिंह आदि ने जल्द सड़क निर्माण की मांग की।

वाहनों की रही कमी, घंटों इंतजार करती रहीं सवारियां

कुमाऊं जाने वाली उत्तराखंड परिवहन सेवा भी नहीं पहुंची

चमोली। होली के कारण मंगलवार दोपहर को गैरसैंण रूट पर वाहन कम रहे। ऐसे में कई लोग बस स्टाप पर इंतजार करते दिखे। इस रूट से कुमाऊंजाने वाली उत्तराखंड परिवहन सेवा भी नहीं पहुंची। वहीं अन्य रूटों पर हालात सामान्य रहे। बुधवार को होली के चलते बाजारों में आवागमन कम रहा। मैदानी क्षेत्रों से सुबह टैक्सी सर्विस यहां पहुंचीं। वहीं सुबह नौ बजे कुमाऊं जाने वाली बस भी चली लेकिन पूर्वाह्न ग्यारह बजे बाद यहां बसों और अन्य वाहनों की किल्लत हो गई। देहरादून से गैरसैंण होते हुए नागचुलाखाल तक जाने वाली उत्तराखंड परिवहन सेवा की बस नहीं पहुंची। यह बस दोपहर बारह बजे कर्णप्रयाग से रवाना होती है। वहीं दोपहर दो बजे के बाद कुमाऊं के द्वारहाट तक जाने वाली उत्तराखंड परिवहन निगम की बस भी नहीं पहुंची। ऐसे में गैरसैंण, मेहलचौरी सहित अन्य जगह जाने वाले कई लोग कर्णप्रयाग बस स्टाप पर वाहनों का घंटों इंतजार करते रहे। गैरसैंण जाने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि वो देवप्रयाग से कर्णप्रयाग तक बागेश्वर वाली बस से पहुंचे लेकिन यहां से गैरसैंण के लिए कोई बस नहीं मिलने से घंटों इंतजार करना पड़ा।

चंद्रग्रहण के चलते मंदिरों के कपाट रहे बंद, शुद्धिकरण के बाद हुई पूजा

अल्मोड़ा। वर्ष के पहले चंद्रग्रहण का प्रभाव मंगलवार को जिले में साफ दिखाई दिया। सूतक काल लगने के बाद नगर सहित आसपास के प्रमुख मंदिरों के कपाट सुबह से ही बंद कर दिए गए और नियमित पूजा–अर्चना स्थगित रही। मंदिर समितियों से मिली जानकारी के अनुसार जागेश्वर मंदिर, नंदा देवी मंदिर सहित अन्य देवालयों में प्रातःकाल से पूजा–पाठ और भोग आदि धार्मिक अनुष्ठान रोक दिए गए। ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिरों में विधिवत शुद्धिकरण प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके बाद ही कपाट खोले गए और विशेष पूजा–अर्चना संपन्न कराई गई। ग्रहण समाप्ति के बाद श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

कई लोगों ने परंपरा के अनुसार जनेऊ बदली और घरों में पूजा–अर्चना की। दोपहर 2:39 बजे शुरू हुआ चंद्रग्रहण सायं 6:18 बजे तक प्रभावी रहा। ग्रहण से लगभग नौ घंटे पहले सूतक काल लग गया था, जिसके चलते धार्मिक गतिविधियां रोक दी गई थीं। पुरोहितों ने श्रद्धालुओं से ग्रहण अवधि के दौरान घरों में रहकर जप, ध्यान और पाठ करने की अपील की थी।

जवाड़ी गांव में हुई पहली रात्रि चौपाल

रुद्रप्रयाग।जनपद में पुलिस और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से रुद्रप्रयाग पुलिस ने प्रहरी पड़ाव अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत पुलिस अधिकारी गांवों में पहुंचकर रात्रि चौपाल करेंगे और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे। पहली रात्रि चौपाल कोतवाली रुद्रप्रयाग क्षेत्र के जवाड़ी गांव में की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश चंद्र बलूनी ने समस्याएं सुनीं और कई मामलों का तत्काल निस्तारण किया। भूमि व दीवानी के मामलों को संबंधित विभागों को भेजा गया। साइबर ठगी की स्थिति में सहायता के लिए नामित साइबर मित्र की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर के निर्देश पर चलाया जा रहा रात्रि चौपाल 2 मार्च से 15 अप्रैल तक जारी रहेगा।

विद्यालय के चेयरमैन ने विकल्प को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल, लैंसडौन के छात्र मास्टर विकल्प अग्रवाल कक्षा छठी को अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड–2025 में छठवां स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वी.एस.एम., कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर द्वारा 5000 की नकद राशि एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन ने छात्र की उत्कृष्ट उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि विद्यालय के शैक्षिक स्तर एवं छात्र की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने विकल्प को इसी प्रकार निरंतर प्रगति करते रहने तथा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र सुंदरियाल, शिक्षिका श्रीमती संगीता धस्माना, छात्र विकल्प अग्रवाल एवं उनके सम्मानित माता-पिता भी उपस्थित रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com